Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**3**

Seat No.	

[5502]-111

M.A. (First Semester) EXAMINATION, 2019

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-1 : सामान्य स्तर

आधुनिक हिंदी कथा साहित्य

(उपन्यास तथा कहानी)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) कालजयी हिंदी कहानियाँ—सं. रेखा सेठी, रेखा उप्रेती।

(*ii*) विज़न—मैत्रेयी पुष्पा।

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. ''‘आदमी का बच्चा’ कहानी एक छोटी बच्ची के माध्यम से समाज में घुन की तरह फैली विषमता का शब्द-चित्र है।'' इस कथन की समीक्षा कीजिए।

अथवा

कहानी के तत्त्वों के आधार पर ‘अकेली’ कहानी का विवेचन कीजिए।

2. मैत्रेयी पुष्पा के व्यक्तित्त्व एवं कृतित्त्व पर प्रकाश डालिए।

अथवा

डॉ. नेहा का चरित्र-चित्रण कीजिए।

munotes.in

3. 'उमस' कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) 'विज़न उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता

(ख) डॉ. चोपड़ा

(ग) 'विज़न' उपन्यास की संवाद-योजना।

4. " 'विज़न' उपन्यास में डॉक्टरों की विविध समस्याओं का चित्रण किया गया है।" सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के उत्तर लिखिए :

(च) 'अपराध' कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

(छ) हीली-बोन् का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ज) 'चीफ़ की दावत' कहानी की समस्या को विशद कीजिए।

(झ) 'गर्मियों के दिन' कहानी की भाषा-शैली पर प्रकाश डालिए।

(त) 'वापसी' कहानी के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

(थ) 'दोपहर का भोजन' कहानी के संवादों की क्या विशेषताएँ हैं ?

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(द) "क्यों रोता है बेटा, खुश हो कि बहू मायाजाल से मुक्त हो गई। बड़ी भाग्यवान थी, जो इतनी जल्दी माया-मोह के बंधन तोड़ दिए॥"

अथवा

"तुम्हें किस बात की कमी है अमर की माँ-घर में बहू है, लड़के-बच्चें हैं, सिर्फ रुपये से ही आदमी अमीर नहीं होता।"

munotes.in

(ध) ''मैं सब समझती हूँ। वे चालाक लोग हैं। अपने चंगुल में लेना चाहते हैं। नहीं तो उनके बेटे के लिए एक मामूली घर की लड़की, वह भी दूसरे शहर के लोगों को बहकाने की अनेक तरकिबें हैं। मैं तरकिबों में नहीं फसूँगी। मम्मी, वे पैसे की चमक दिखाकर मुझे और मेरे माता-पिता को हिप्नाटाइज करना चाहते हैं।''

अथवा

''डे केयर सर्जरी अच्छी चीज है, समय बचाने वाला तरीका। मगर यह उन नर्सिंग होम्ज के लिए लाभकारी नहीं, जिसमें मरीजों के ठहरने के लिए कमरे बनाये गये हैं। और सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। साधन मुफ्त में तो जुट नहीं जाते।''

munotes.in

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**3**

Seat No.	

[5502]-112

M.A. (I Sem.) EXAMINATION, 2019

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-2 : विशेषस्तर

(प्राचीन तथा मध्ययुगीन हिंदी काव्य)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य-पुस्तकें :—(*i*) विद्यापति : आलोचना और संग्रह
संपा—डॉ. आनंदप्रकाश दीक्षित।

(*ii*) पद्मावत : मलिक मुहम्मद जायसी
संपा—डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल।

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. ''विद्यापति के काव्य में भक्ति और शृंगार का समन्व्य मिलता है।'' इस विधान की समीक्षा कीजिए।

अथवा

विद्यापति की गीति-पद्धति पर प्रकाश डालिए।

2. 'पद्‌मावत' में निहित लोकतत्त्व का निरूपण कीजिए।

अथवा

रत्नसेन का चरित्र-चित्रण कीजिए।

3. ''विद्यापति का काव्य भावपक्ष और कलापक्ष दोनों ही दृष्टियों से सफल काव्य है''—स्पष्ट कीजिए।

munotes.in

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) जायसी की प्रेम-भावना

(ख) नागमति का चरित्र-चित्रण

(ग) जायसी का प्रकृति-चित्रण।

4. जायसी की काव्य-कला पर प्रकाश डालिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(च) विद्यापति की पदावली में निरूपित प्रकृति का वर्णन कीजिए।

(छ) विद्यापति के काव्य पर संस्कृत साहित्य का प्रभाव विशद कीजिए।

(ज) विद्यापति का जीवन-वृत्त संक्षेप में लिखिए।

(झ) विद्यापति की भाषागत विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

(त) विद्यापति ने राधा के किस रूप का वर्णन किया है ?

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(द) ''माधव, की कहब सुन्दरि रूपे।
कतेक जतन बिहि आनि समारल देखल नयन सरूपे॥
पल्लवराज चरण-जुग सोभित गति गजराजक भाने।
कनक कदलि पर सिंह समारल तापर मेरु समाने॥''

अथवा

''एक अपराध छेमब मोर जानी।
परसल माय पाए तुअ पानी॥
कि करब जप-तप जोग धेआने।
जनम कृतारथ एकहि सनाने॥''

munotes.in

(ध) ''कहा मानसर चहा सो पाई। पारस रूप इहाँ लगि आई॥
भा निरमर तेन्ह पायन परसें। पावा रूप रूप कें दरसें॥
मलै समीर बास तन आई। भा सीतल गै तपनि बुझाई॥
न जनौं कौनु पौन लै आवा। पुन्नि दसा भै पाप गँवावा॥''

अथवा

''तपै लाग अब असाढ़ी। मैं मोकहँ यह छाजनि गाढ़ी॥
तन तिनुवर भा झूरौं खरी। मैं बिरहा आगरि सिर परी॥
साँठि नाहिं लगि बात को पूँछा। बिनु जिय भएउ मूँज तन छूँछा॥
बंध नाहिं औ कंध न कोई। बाक न आव कहौं केहि रोई॥''

munotes.in

Total No. of Questions—**8**]

[Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[5502]-113

M.A. (First Sem.) EXAMINATION, 2019

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-3 : विशेष स्तर

(भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

munotes.in

1. भारतीय साहित्यशास्त्र के विकासक्रम का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

2. अलंकार की परिभाषा देते हुए अलंकार सिद्धांत का स्वरूप समझाइए।

3. 'रीति' शब्द की व्युत्पत्ति बताते हुए रीति और शैली के पारस्परिक संबंध का विवेचन कीजिए।

4. ध्वनि का स्वरूप विशद करते हुए ध्वनि के विविध भेदों पर प्रकाश डालिए।

5. वक्रोक्ति के विविध भेदों का सोदाहरण परिचय दीजिए।

6. साधारणीकरण की अवधारणा स्पष्ट कीजिए।

7. आचार्य क्षेमेंद्र का औचित्य विचार विशद कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) शंकुक का अनुमितिवाद

(ख) अलंकारों का मनोवैज्ञानिक आधार

(ग) ध्वनि और स्फोट सिद्धांत

(घ) औचित्य के भेद।

munotes.in

Total No. of Questions—**8+8+8+8**] [Total No. of Printed Pages—**8**

Seat No.	

[5502]-114

M.A. (First Semester) EXAMINATION, 2019

HINDI (हिंदी)

प्रश्न-पत्र 4 : विशेषस्तर वैकल्पिक

(2008 PATTERN)

महत्वपूर्ण सूचना—निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी **एक** ही पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(अ) विशेष साहित्यकार : कबीर

(आ) विशेष साहित्यकार : तुलसीदास

(इ) विशेष साहित्यकार : नाटककार मोहन राकेश

(ई) विशेष साहित्यकार : कवि अज्ञेय

(अ) विशेष साहित्यकार : कबीर

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य-पुस्तकें : कबीर ग्रंथावली—संपा. श्यामसुंदर दास।

सूचना :— (*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से **आठवाँ** प्रश्न अनिवार्य है।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. संत काव्य परंपरा में कबीर का स्थान विशद कीजिए।

2. कबीर की जीवनी और व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।

3. कबीर के धार्मिक विचारों का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

4. प्रेम तत्त्व और विरह भावना की दृष्टि से कबीर-काव्य का विवेचन कीजिए।

munotes.in

5. कबीर के रहस्यवाद पर प्रकाश डालिए।

6. कबीर के काव्य की प्रासंगिकता समझाइए।

7. कबीर के राम का स्वरूप विशद कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) ''गुरु गोंबिद तौ एक है, दूजा यह आकार।
आपा मेट जीवत मरौ, तौ पावै करतार॥''

अथवा

''सुखिया सब संसार है, खावै अरु सौवै।
दुखिया दास कबीर है, जागै अरु रौवै॥''

(ख) ''बहुत दिनन की जोवती, बाट तुम्हारी राम।
जिव तरसै तुझ मिलन कूँ, मनि नाहीं विश्राम॥''

अथवा

''पाणी केरा बुदबुदा, इसी हमारी जाति।
एक दिना छिप जांहिगे, तारे ज्यूँ पर भामि॥''

munotes.in

(आ) विशेष साहित्यकार : तुलसीदास

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य-पुस्तकें :— (*i*) श्रीरामचरितमानस (उत्तरकांड)
(*ii*) विनयपत्रिका—संपा. वियोगी हरि।

सूचना :— (*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से **आठवाँ** प्रश्न अनिवार्य है।
(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. तुलसीदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय दीजिए।

2. तुलसीदास के दार्शनिक विचारों पर प्रकाश डालिए।

3. ''तुलसी के राम आदर्श राजा के रूप में सामने आते हैं'' सोदाहरण विवेचन कीजिए।

4. 'रामचरितमानस' के आधार पर तुलसी के लोकनायकत्व पर प्रकाश डालिए।

5. 'विनयपत्रिका' का प्रयोजन विशद कीजिए।

6. '' 'विनयपत्रिका' में कलापक्ष का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

7. '' 'विनयपत्रिका' में गीतितत्व का सुंदर निर्वाह हुआ है।'' सोदाहरण विवेचन कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(अ) ''बार बार बर मागौं हरषि देहु श्रीरंग।
पद सरोज अनपायनी भगति सदा सतसंग॥
बरनि उमापति रामगुन हरषि गए कैलास।
तब प्रभु कपिन्ह दिवाए सब विधि सुखप्रद बास॥''

अथवा

''अवधपुरी प्रभु आवत जानी। भई सकल सोभा कै खानी॥
बहइ सुहावन भिबिध समीरा। भइ सरजू अति निर्मल नीरा॥
हरषित गुर परिजन अनुज भूसुर बृंद समेत।
चले भरत मन प्रेम अति सन्मुख कृपानिकेत॥''

(आ) ''मेरो भलो कियो राम अपनी भलाई।
हौं तो साई-द्रोही, पै सेवक-हित साइ॥१॥
राम-सो बड़ो है कौन, मो-सो कौन छोटो।
राम-सो खरो है कौन, मो-सो कौन खोटो॥२॥
लोक कहैं, राम को गुलाम हौं कहावौं।
एतो बड़ो अपराध भौ, न मन बावों॥३॥
पाथे-माथे चढ़े तन तुलसी ज्यों नीचो।
बोरत न बारि ताहि जानि आपु-सींचो॥४॥''

अथवा

''रघुपति विपति-दवन।
परम् कृपालु प्रनत-प्रतिपालक, पतित-पवन॥
कूर, कुटिल, कुलहीन, दीन, अति मलिन जवन।
सुमिरत नाम राम पठये सब अपने भवन॥
गज-पिंगला-अजामिल-से खल गनै धौं कवन।
तुलसीदास प्रभु केहि न दीन्हि गति जानकी-रवन॥

munotes.in

[5502]-114

(इ) विशेष साहित्यकार : नाटककार मोहन राकेश

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य-पुस्तकें :— (*i*) आषाढ़ का एक दिन।

(*ii*) लहरों के राजहंस।

(*iii*) आधे-अधूरे।

सूचना :— (*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से **आठवाँ** प्रश्न अनिवार्य है।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

munotes.in

1. 'लहरों के राजहंस' की ऐतिहासिकता और कल्पनात्मकता का विवेचन कीजिए।

2. " 'आधे अधूरे' का मूल प्रतिपाद्य आधुनिक पढ़े-लिखे परिवारों में टूटते सम्बन्ध हैं" इस कथन की सार्थकता लिखिए।

3. 'आषाढ़ का एक दिन' के आधार पर मोहन राकेश की पात्र-योजना एवं चरित्रांकन कला पर प्रकाश डालिए।

4. मोहन राकेश का व्यक्तित्व एवं कृतित्व लिखिए।

5. भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि से नाटक के तत्वों का विवेचन कीजिए।

6. भारतीय नाट्य साहित्य में मोहन राकेश का योगदान स्पष्ट कीजिए।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) 'लहरों के राजहंस' की सुंदरी

(ख) 'आधे-अधूरे' नाटक का उद्देश्य

(ग) भारतीय नाटक का स्वरूप

(घ) 'आषाढ़ का एक दिन' का संवाद-योजना।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) ''मैं इस घर में एक रबड़-स्टैम्प भी नहीं, सिर्फ एक रबड़ का टुकड़ा हूँ बार-बार घिसा जाने वाला रबड़ का टुकड़ा।''

अथवा

''मेरा मन साधारण बातों में असाधारण अर्थ नहीं ढूँढता।''

(ख) ''तुम्हें बहुत आश्चर्य हुआ था कि, मैं कश्मीर का शासन संभालने जा रहा हूँ। तुम्हें यह बहुत अस्वाभाविक लगा होगा। अभावपूर्ण जीवन की वह एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया थी।''

अथवा

''अंतर पड़ता यदि मेरा ह्रदय बदल जाता, आँखे बदल जाती। मेरे ह्रदय में तुम्हारें लिए अब भी वहीं अनुराग हैं, आँखों में तुम्हारे रूप की अब भी वहीं छाया हैं।''

munotes.in

(ई) विशेष साहित्यकार : कवि अज्ञेय

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य-पुस्तकें :— (*i*) हरी घास पर क्षण भर।

(*ii*) बावरा अहेरी।

(*iii*) कितनी नावों में कितनी बार।

सूचना :— (*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से **आठवाँ** प्रश्न अनिवार्य है।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

munotes.in

1. अज्ञेय के व्यक्तित्व और कृतित्य का सामान्य परिचय दीजिए।

2. '' 'अज्ञेय' के काव्य में आस्था और विश्वास की अभिव्यक्ति हुई है''—स्पष्ट कीजिए।

3. अज्ञेय के काव्य में अभिव्यक्त प्रेम-भाव को स्पष्ट कीजिए।

4. 'हरी घास पर क्षण भर' की पठित कविताओं के आधार पर अज्ञेय के काव्य-सौंदर्य का विवेचन कीजिए।

5. 'हरी घास पर क्षण भर' की पठित कविताओं में अज्ञेय ने प्राकृतिक सुषमा का बयान किस प्रकार किया है ?

6. 'बावरा अहेरी' की पठित कविताओं के आधार पर अज्ञेय के कला-पक्ष का विवेचन कीजिए।

7. 'कितनी नावों में कितनी बार' की पठित कविताओं की कलागत प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए।

8. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(अ) ''काँगड़े की छोरियाँ कुछ भोरियाँ सब गोरियाँ
लाला जी, जेवर बनवा दो खाली करो तिजोरियाँ।
काँगड़े की छोरियाँ!''

(आ) ''गोधूली की धूल को, मोटरों के धूएँ को भी
पार्क के किनारे पुष्पिताग्र कर्णिकार की
आलोक-खची
तन्वि रूप-रेखा को
और दूर कचरा जलाने वाली कलकी उद्दंड चिमनियों को, जो
धुआँ यों उगलती हैं मानो उसी मात्र से अहेरी को हरा देंगी।''

(इ) ''कभी बासन अधिक घिसने से मुलम्मा छूट जाता है।
मगर क्या तुम नहीं पहचान पाओगी :
तुम्हारे रूप के-तुम हो, निकट हो, इसी जादू के-
निजी किस सहज, गहरे बोध से, किस प्यार से मैं
कह रहा हूँ।''

(ई) ''अब भी
ये रौंदे हुए खेत
हमारी अवरुद्ध जिजीविषा के
सहमे हुए साक्षी हैं :
अब भी।''

munotes.in

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[5502]-211

M.A. (Second Semester) EXAMINATION, 2019

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-5 (सामान्य स्तर)

आधुनिक हिंदी नाटक तथा अन्य विधाएँ

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) कोर्टमार्शल – स्वदेश दीपक।

(*ii*) हजारीप्रसाद द्विवेदी के चुने हुए निबंध – सं. मुकुंद द्विवेदी।

(*iii*) यात्रासाहित्य – सं. डॉ. तुकाराम पाटील

– डॉ. नीला बोर्वणकर

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

munotes.in

1. 'कोर्टमार्शल' नाटक की अभिनेयता को स्पष्ट करते हुए उसकी समस्या पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'कोर्टमार्शल' नाटक की कथावस्तु लिखते हुए शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

2. 'नाखून क्यों बढ़ते हैं' में चित्रित व्यंग्यात्मकता को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

"हजारीप्रसाद द्विवेदी ने अपने निबंधों में साधारण से लेकर गंभीर और जटिल विषयों तक की गहन व्याख्या प्रस्तुत की है।" पठित निबंधों के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

3. "स्वातंत्र्योत्तर कालखंड में राजनीतिक, सामाजिक तथा वैज्ञानिक क्षेत्र में जो लक्षणीय परिवर्तन हुए, उन्हीं का प्रभाव हिंदी यात्रा साहित्य में दिखाई देता है।" स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'ब्रह्मपुत्र की मोरचेबंदी' में लेखक ने युद्ध के रोमांचक अनुभव प्रस्तुत किये हैं — सोदाहरण विवेचन कीजिए।

4. निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) 'कोर्टमार्शल' नाटक का कर्नल सूरतसिंह

(ख) 'कोर्टमार्शल' नाटक की भाषा

(ग) 'घर जोड़ने की माया' में लेखक के विचार

(घ) 'मेरी जन्मभूमि' में चित्रित प्रेम और शोध

(च) 'यूरोप की अमरावती : रोमा' में चित्रित रोम यात्रा

(छ) 'सूर्य मन्दिरों की खोज में' में चित्रित यात्रा-वृत्तान्त।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(ज) "जब दुनिया की अदालत इंसाफ न कर सके तो कभी-कभी ऊपरवाला इन्साफ कर देता है।"

(झ) "महादेव जी को बड़ा क्रोध आया। आना ही था। उन्होंने उसकी रक्षा के लिए एक सिंह तैनात कर दिया। पर मेरे सामने जो अल्हड़ कवि है, इनका क्या होगा ? वह तो कहिए कि इधर हाथी आते ही नहीं। फिर भी डर तो लगता ही है। हाथी न सही, गधों और खच्चरों से तो शहर भरा पड़ा है।"

(त) "आजकल हिंदी को लोग संस्कृत बना रहे हैं। प्रेमचंद कैसा लिखते थे। पटना के हिंदी अखबार तक ऐसी भाषा लिखते हैं कि डिक्शनरी लेकर ही उसे समझा जा सकता है।"

munotes.in

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[5502]-212

M.A. (II Sem.) EXAMINATION, 2019

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-6 : विशेष स्तर

मध्ययुगीन हिंदी काव्य

(सूरदास, बिहारी, घनानंद)

(2008 PATTERN)

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) भ्रमरगीत सार : सूरदास—संपा. आ. रामचंद्र शुक्ल

(*ii*) रीतिकाव्य धारा—संपा. डॉ. रामचंद्र तिवारी

डॉ. रामफेर त्रिपाठी

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

munotes.in

1. भ्रमरगीत की दार्शनिक पृष्ठभूमि स्पष्ट कीजिए।

अथवा

सूरदास के गोपियों की विशेषताएँ लिखिए।

2. बिहारी की बहुज्ञता को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

घनानंद और बिहारी का तुलनात्मक विवेचन कीजिए।

3. घनानंद के वियोग वर्णन को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

घनानंद के काव्य की शिल्पगत विशेषताएँ लिखिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) सूर का वागवैदग्ध्य।

(ख) सूर के उद्धव।

(ग) बिहारी का सौंदर्य चित्रण।

(घ) बिहारी का श्रृंगारेतर काव्य।

(च) घनानंद की प्रेम व्यंजना।

(छ) घनानंद के काव्य में अलंकार योजना।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) अँखिया हरि-दरसन की भूखी।
कैसे रहैं रूपरसराची ये बतियाँ सूनि रूखी॥
अवधि गनत इकटक मग जोवत तब एती नहीं झूखी।
अब इन जोग-सँदेसन ऊधो अति अकुलानी दूखी॥
बारक वह मुख फेरि दिखाओं दुहि पथ पिवत पतूखी।
सूर सिकत हटि नाव चलायो ये सरिता हैं सूखी॥

(ख) कागद पर लिखत न बनत, कहत संदेशु लजात।
कहि है सबु तेरौ हियौ, मेरे हिय की बात॥
दृग, उरझत, टूटत कुटुम, जुरत चतुर-चित प्रीति।
परति गाँठि दुरजन हियै, दई नई यह रीति॥

(ग) अंतर हौ किधौं अंत रहौ, दृग फारि फिरौं कि अभागिनी भीरौं।
आगि जरौं अकि पानी परौं, अब कैसी करौं हिय का बिधि धीरौं।
जो घनआनँद ऐसी रूची, तौ कहा बस है, अहो प्राननि पीरौं।
पाऊँ कहाँ हरि हाय तुम्हैं, धरनी मैं धँसो कि अकासहिं चीरौं।

munotes.in

Total No. of Questions—**8**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[5502]-213

M.A. (II Semester) EXAMINATION, 2019

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-7 (विशेष स्तर)

(पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत तथा आलोचना)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :—(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

munotes.in

1. प्लेटो और अरस्तू के अनुकरण विषयक विचारों की तुलना कीजिये।

2. लोंजाइनस के उदात्त सिद्धांत के अंतरंग तथा बहिरंग तत्वों का विवेचन कीजिये।

3. आई.ए. रिचर्ड्स के संप्रेषण सिद्धांत का स्वरूप और उसका महत्व स्पष्ट कीजिये।

4. इलियट की निर्वैयक्तिकता संबंधी धारणा का विवेचन करते हुए इलियट के योगदान को स्पष्ट कीजिये।

5. प्रतीकवाद के स्वरूप का विवेचन करते हुए उसके वर्गीकरण पर प्रकाश डालिए।

6. बिंबवाद के स्वरूप का विवेचन करते हुए काव्य में उसका महत्व विशद कीजिये।

7. आलोचना का स्वरूप विशद करते हुए उसके उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) स्त्रीवादी आलोचना

(ख) संरचनावाद

(ग) विरेचन सिद्धांत

(घ) आई.ए. रिचर्ड्स का योगदान।

munotes.in

Total No. of Questions—**5+5+5+5**] [Total No. of Printed Pages—**5**

Seat No.	

[5502]-214

M.A. (II Semester) EXAMINATION, 2019

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 8: विशेष स्तर: वैकल्पिक

विशेष विधा तथा अन्य

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

महत्वपूर्ण सूचना :— निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी **एक** पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) हिंदी उपन्यास

अथवा

(ख) हिंदी नाटक और रंगमंच

अथवा

(ग) प्रयोजनमूलक हिंदी

अथवा

(घ) हिंदी दलित विमर्श एवं साहित्य

(क) हिंदी उपन्यास

पाठ्यपुस्तकें :— (1) गोदान-प्रेमचंद

(2) मैला आँचल-फणीश्वरनाथ 'रेणु'

(3) राग दरबारी- श्रीलाल शुक्ल

(4) एक पत्नी के नोट्स-ममता कालिया।

सूचनाएँ :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. उपन्यास की परिभाषा देते हुए उसकी प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिये।

2. उपन्यास के तत्वों को स्पष्ट करते हुए उपन्यास और महाकाव्य की तुलना कीजिये।

P.T.O.

munotes.in

3. उपन्यास का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसके विकासक्रम की जानकारी दीजिये।

4. "'गोदान' में भारतीय किसान की दयनीय स्थिति का जीता-जागता चित्र अंकित किया गया है।" स्पष्ट कीजिये।

5. "फणीश्वरनाथ रेणु के उपन्यासों में फूल भी हैं शूल भी, धूल भी, गुलाल भी, कीचड़ भी है चंदन भी, सुंदरता भी है कुरूपता भी, लेखक किसी से भी दामन बचाकर निकल नहीं पाया है"—'मैला आँचल' के संदर्भ में चर्चा कीजिये।

6. 'राग दरबारी' की व्यंग्यात्मकता पर प्रकाश डालिये।

7. 'एक पत्नी के नोट्स' के शिल्प-विधान का परिचय दीजिये।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(*i*) उपन्यास तथा जीवनी

(*ii*) 'गोदान' का होरी

(*iii*) 'मैला आँचल' शीर्षक की सार्थकता

(*iv*) 'राग दरबारी' के नारी पात्र।

munotes.in

(ख) हिंदी नाटक और रंगमंच

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— (1) अंधेर नगरी: भारतेंदु हरिशचंद्र

(2) कोणार्क : जगदीशचंद्र माथुर

(3) एक सत्य हरिश्चंद्र : डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल

सूचनाएँ :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. भारतेंदुयुगीन हिंदी नाटक और नाटककारों का परिचय दीजिये।

2. पारसी रंगमंच का स्वरूप स्पष्ट कीजिये।

3. प्रसादयुगीन हिंदी नाटकों की सामान्य प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिये।

4. हिंदी नाट्य साहित्य में अनुदित नाटकों के योगदान पर प्रकाश डालिए।

5. नाट्य-तत्वों के आधार पर 'अंधेर नगरी' नाटक की समीक्षा कीजिये।

6. "'कोणार्क' नाटक एक अभिनेय नाटक है"—समझाइये।

7. 'राजा हरिश्चंद्र की पौराणिक कथा को नाटककार ने आधुनिक संदर्भ में व्यक्त किया है'—विशद कीजिये।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(*i*) देशकाल-वातावरण

(*ii*) नाटक की कथावस्तु

(*iii*) 'अंधेर नगरी' का महंत

(*iv*) 'एक सत्य हरिश्चंद्र' का देवधर।

munotes.in

[5502]-214

(ग) प्रयोजनमूलक हिंदी

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :—(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. जनसंचार का स्वरूप स्पष्ट करते हुए विविध माध्यमों का परिचय दीजिये।

2. व्यावसायिक पत्रलेखन का स्वरूप बताकर उसके प्रकार विशद कीजिये।

3. प्रयोजनमूलक हिंदी की परिभाषा देकर उसका स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

4. कार्यालयीन लेखन का स्वरूप बताकर कार्यालयीन लेखन के प्रकार स्पष्ट कीजिये।

5. विज्ञापन लेखन का स्वरूप और महत्व विशद कीजिये।

6. समाचार लेखन और फीचर लेखन का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उनकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

7. इंटरनेट पोर्टल, डाउनलोडिंग-अपलोडिंग का परिचय दीजिये।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

(*i*) संपर्क भाषा

(*ii*) हार्डवेअर तथा सॉफ्टवेयर

(*iii*) आवेदन-पत्र

(*iv*) राजभाषा हिंदी का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य।

munotes.in

[5502]-214

(घ) हिंदी दलित विमर्श एवं साहित्य

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— (1) दोहरा अभिशाप : कौसल्या बैसंत्री
(2) पहला खत : डॉ. धर्मवीर
(3) आवाजें : मोहनदास नैमिषराय
(4) घुसपैठिए : ओमप्रकाश वाल्मीकि
(5) असीम है आसमाँ : डॉ. नरेन्द्र जाधव

सूचनाएँ :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

munotes.in

1. दलित साहित्य के उद्‌भव और परंपरा का परिचय दीजिये।

2. दलित साहित्य के प्रेरणास्रोत के रूप में संत रैदास का परिचय देते हुए उनके प्रभाव का मूल्यांकन कीजिये।

3. दलित साहित्य के कलापक्ष का विवेचन कीजिये।

4. दलित साहित्य के सौंदर्यशास्त्र पर प्रकाश डालिए।

5. 'घुसपैठिए' में चित्रित समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

6. 'पहला खत' का कथ्य स्पष्ट कीजिये।

7. 'आवाजें' में अभिव्यक्त दलित चेतना का विवेचन कीजिये।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :
(*i*) दलित साहित्य का स्वरूप
(*ii*) दलित साहित्य पर कबीर का प्रभाव
(*iii*) 'दोहरा अभिशाप' में नारी जीवन
(*iv*) 'असीम है आसमाँ' में देशकाल, वातावरण।

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**3**

Seat No.	

[5502]-311

M.A. (Sem. III) EXAMINATION, 2019

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-9 : सामान्य स्तर

आधुनिक काव्य-I

(महाकाव्य, दीर्घ कविता तथा काव्यनाटक)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) कामायनी—जयशंकर प्रसाद

(*ii*) दीर्घ कविताएँ—संपा. डॉ. सुरेशकुमार जैन, डॉ. नीला बोर्वणकर

(*iii*) अंधा युग—डॉ. धर्मवीर भारती

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

munotes.in

1. महाकाव्य के तत्त्वों के आधार पर 'कामायनी' की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'कामायनी' महाकाव्य के आधार पर श्रद्धा का चरित्र-चित्रण कीजिए।

2. " 'सरोज-स्मृति' में सरोज के बालिका, तरुणी और वधू ये तीनों रूप चित्रित हुए हैं"—विवेचन कीजिए।

अथवा

ब्रह्मराक्षस की प्रतीकात्मकता को स्पष्ट कीजिए।

3. '' 'अंधा युग' में पौराणिकता और आधुनिकता का सुन्दर समन्वय हुआ है''—स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'अंधा युग' के माध्यम से अश्वत्थामा का चरित्र-चित्रण कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) 'कामायनी' की ऐतिहासिकता

(ख) 'कामायनी' का प्रतिपाद्‌य

(ग) 'पटकथा' में राजनीतिक विसंगतियाँ

(घ) 'असाध्य वीणा' का आशय

(च) 'अंधा युग' का शीर्षक

(छ) 'अंधा युग' की मंचीयता।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(ज) ''विश्व की दुर्बलता बल बने, पराजय का बढ़ता व्यापार,
हँसाता रहे उसे सविलास शक्ति का क्रीड़ामय संचार।
शक्ति के विद्युत्कण जो व्यस्त विकल बिखरे हैं, हो निरुपाय,
समन्वय उसका करे समस्त विजयिनी मानवता हो जाय!''

अथवा

''वे युगल वही अब बैठे संसृति की सेवा करते,
संतोष और सुख देकर सबको दुख ज्वाला हरते।
है वहाँ महाहृद निर्मल जो मन की प्यास बुझाता,
मानस उसको कहते हैं सुख पाता जो है जाता।''

(झ) ''मेरे हार गये सब जाने-माने कलावन्त,
सब की विद्या हो गयी अकारण, दर्प चूर:
कोई ज्ञानी गुणी आज तक इसे न साध सका।
अब यह असाध्य वीणा ही ख्यात हो गयी।''

अथवा

''तुम्हारी आँखों के चकनाचूर आईनों में
वक्त की बदरंग छायाएँ उलटी कर रही हैं
और तुम पेड़ों की छाल गिनकर
भविष्य का कार्यक्रम तैयार कर रहे हो
तुम एक ऐसी जिंदगी से गुजर रहे हो
जिसमें न कोई तुक है
न सुख है''

(ट) ''होगी, अवश्य होगी जय।
मेरी यह आशा
यदि अन्धी है तो हो
पर जीतेगा दुर्योधन जीतेगा।''

अथवा

''स्वीकार किया यह शाप कृष्ण ने जिस क्षण से
उस क्षण से ज्योति सितारों की पड़ गयी मन्द
युग-युग की संचित मर्यादा निष्प्राण हुई
श्रीहीन हो गये कवियों के सब वर्ण-छन्द''

munotes.in

Total No. of Questions—**8**] [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[5502]-312

M.A. (III Sem.) EXAMINATION, 2019

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र–10 : विशेषस्तर

भाषाविज्ञान

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :—(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. भाषाविज्ञान का स्वरूप एवं व्याप्ति को विस्तार से लिखिए।

2. भाषाविज्ञान के अध्ययन की दिशाएँ विस्तार से लिखिए।

3. स्वनों के वर्गीकरण को और स्वर वर्गीकरण को स्पष्ट कीजिए।

4. रूपविज्ञान की परिभाषा और स्वरूप को विशद कीजिए।

5. वाक्य के भेद को रचना, क्रिया और अर्थ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

6. अर्थबोध के साधन को विवेचित कीजिए।

7. भाषाविज्ञान साहित्य के अध्ययन का महत्वपूर्ण साधन है—स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

munotes.in

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) वर्णनात्मक भाषाविज्ञान

(ख) भाषा-भूगोल

(ग) अक्षर स्वरूप

(घ) रूप स्वनिम विज्ञान।

munotes.in

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**3**

Seat No.	

[5502]-313

M.A. (Third Semester) EXAMINATION, 2019

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-11 : विशेष स्तर

(हिंदी साहित्य का इतिहास)

(आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल तक)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

munotes.in

1. हिंदी साहित्य के इतिहास की लेखन परंपरा को प्रस्तुत करते हुए आदिकाल के नामकरण पर प्रकाश डालिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) आदिकाल के नामकरण के विविध आधार और विविध नाम

(ख) रासो शब्द के विभिन्न अर्थ और प्रकार

(ग) गोरखनाथ।

2. भक्तिकालीन साहित्य की सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक तथा साहित्यिक पृष्ठभूमि को विशद कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(घ) कृष्णभक्ति शाखा की विशेषताएँ

(च) संत कबीर की सामाजिक उपादेयता

(छ) रसखान।

3. रीतिकालीन साहित्य पर संस्कृत और हिंदी साहित्य का प्रभाव दृष्टिगोचर होता है—सिद्ध कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(ज) रीतिकाल के विविध नाम

(झ) रीतिकालीन वीर तथा नीति साहित्य

(ट) पद्माकर का साहित्यिक परिचय।

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर विस्तार से लिखिए :

(*i*) रासो काव्य की परंपरा को स्पष्ट करते हुए रासो काव्य की सामान्य विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

(*ii*) रामभक्ति शाखा की विशेषताओं को स्पष्ट करते हुए कवि तुलसीदास के योगदान को विशद कीजिए।

(*iii*) रीतिमुक्त काव्य की विशेषताओं को लिखते हुए कवि भूषण के योगदान को रेखांकित कीजिए।

5. (अ) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : [10]

(*i*) हिंदी साहित्य का काल विभाजन को निर्धारित कीजिए।

(*ii*) वीर रासो साहित्य की विशेषताएँ लिखिए।

(*iii*) रामभक्ति और कृष्णभक्ति शाखा की तुलना कीजिए।

(*iv*) कबीर 'वाणी के डिटेक्टर' हैं—स्पष्ट कीजिए।

(*v*) मीराबाई की रचनाओं की विशेषताएँ लिखिए।

(*vi*) रीतिबद्ध कवियों की विशेषताएँ लिखिए।

(*vii*) कवि बिहारी का महत्त्व विशद कीजिए।

munotes.in

(आ) निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर एक वाक्य में लिखिए : [6]

(*i*) रासो शब्द का अर्थ लिखिए।

(*ii*) विद्यापति की रचनाओं के नाम लिखिए।

(*iii*) कवि जायसी की रचनाओं के नाम लिखिए।

(*iv*) महाकवि सूरदास की रचनाओं के नाम लिखिए।

(*v*) कवि मतिराम की रचनाओं के नाम लिखिए।

(*vi*) कवि भूषण की रचनाओं के नाम लिखिए।

munotes.in

Total No. of Questions—**8+8+8**] [Total No. of Printed Pages—**5**

Seat No.	

[5502]-314

M.A. (Third Semester) EXAMINATION, 2019

HINDI (हिंदी)

प्रश्न-पत्र 12 : विशेषस्तर वैकल्पिक

(2008 PATTERN)

महत्वपूर्ण सूचना—निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी **एक** ही पाठ्यक्रम के उत्तर लिखिए।

(अ) आधुनिक हिंदी आलोचना

(आ) अनुवाद विज्ञान

(इ) जनसंचार माध्यम और हिंदी

munotes.in

(अ) आधुनिक हिंदी आलोचना

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :—(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. आलोचना का उद्देश्य स्पष्ट करते हुए आलोचना प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए।

2. आलोचना के प्रमुख प्रकारों को विश्लेषित करते हुए आलोचक के गुण पर प्रकाश डालिए।

3. आचार्य रामचंद्र शुक्लजी की आलोचना पद्धति को समझाते हुए हिंदी आलोचना में उनके योगदान को स्पष्ट कीजिए।

4. डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी की आलोचना पद्धति को समझाते हुए उनके स्वरूप को लिखिए।

5. डॉ. नंददुलारे वाजपेयी की आलोचना पद्धति की विशेषताओं को समझाइए।

6. डॉ. नगेंद्र की आलोचना पद्धति को उल्लेखित करते हुए हिंदी आलोचना में उनके योगदान को समझाइए।

7. डॉ. रामविलास शर्मा की आलोचना पद्धति को स्पष्ट करते हुए उनकी आलोचना की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) आलोचना का स्वरूप

(ख) आलोचना के प्रमुख प्रकार

(ग) हिंदी आलोचना का विकासक्रम

(घ) डॉ. नामवर सिंह की आलोचना पद्धति।

munotes.in

[5502]-314

(आ) अनुवाद विज्ञान

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :—(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. अनुवाद की परिभाषाएँ बताकर उसका स्वरूप विशद कीजिए।

2. अनुवाद की प्रक्रिया को विशद करते हुए अनुवाद कार्य में सहायक साधनों पर प्रकाश डालिए।

3. अनुवाद का मौखिक स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसके महत्व एवं उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।

4. अनुवाद के प्रकारों को समझाइए।

5. अनुवाद और भाषाविज्ञान के विभिन्न अंगों पर प्रकाश डालिए।

6. वैज्ञानिक और तकनीकी सामग्री के अनुवाद का स्वरूप विशद करते हुए उसकी आवश्यकता पर प्रकाश डालिए।

7. कम्प्यूटर अनुवाद की आवश्यकता को स्पष्ट करते हुए उसकी समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

munotes.in

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) अनुवाद और लिप्यंतरण

(ख) बैंक अनुवाद की सामग्री का स्वरूप

(ग) काव्यानुवाद

(घ) अनुवाद समीक्षा के निकष।

munotes.in

[5502]-314

(इ) जनसंचार माध्यम और हिंदी

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :—(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. जनसंचार माध्यम के कार्य और उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए।

2. सूचना समाज की अवधारणा और शर्त को विशद कीजिए।

3. वाचिक भाषा और लेखन भाषा को विस्तार से लिखिए।

4. जनसंचार माध्यमों के हिंदी भाषा रूप—समाचार और विज्ञापन को विश्लेषित कीजिए।

5. दूरदर्शन की पत्रकारिता और इंटरनेट की पत्रकारिता को लिखिए।

6. भाषा नियोजन-नीति और भाषा स्थिरता को विवेचित कीजिए।

7. हिंदी से संबंधित तकनीकी ज्ञान का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) सूचना-संप्रेषण

(ख) सर्वेक्षण वृत्तांत

(ग) अनुवाद की आवश्यकता

(घ) भाषा-विस्तार।

munotes.in

Total No. of Questions—5] [Total No. of Printed Pages—4

Seat No.	

[5502]-411

M.A. (Fourth Semester) EXAMINATION, 2019

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-13 (सामान्य स्तर)

आधुनिक काव्य-II

(खंडकाव्य, विशेष कवि तथा नई कविता)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) 'कितने प्रश्न करूँ' : ममता कालिया

(*ii*) 'युगधारा' : नागार्जुन

(*iii*) 'काव्यकुंज' : संपा. रामशंकर राय, सौमित्र

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

munotes.in

1. 'कितने प्रश्न करूँ' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए।

अथवा

"सीता के अस्तित्व को लेकर जो सवाल उठाए गए हैं, 'कितने प्रश्न करूँ' में आधुनिक रूप दिया गया है।" युक्तायुक्त चर्चा कीजिए।

2. "नागार्जुन ने जन-ज्वाला को अपने काव्य का आभूषण बनाया है।" इस विधान के आलोक में नागार्जुन की कविताओं का मूल्यांकन कीजिए।

अथवा

नागार्जुन के काव्य में व्यक्त उनकी प्रगतिशील चेतना को स्पष्ट कीजिए।

3. गिरिजाकुमार माथुर की कविताओं के प्रयोग और संवेदना का बहुत सुंदर सामंजस्य है। स्पष्ट कीजिए।

अथवा

"भवानीप्रसाद मिश्र की कविताएँ व्यक्ति समाज तथा देश की स्थितियों का आकलन भावनात्मक स्तर पर कहती है।" स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(1) अश्वमेध यज्ञ के समय सीता की मनोदशा

अथवा

'कितने प्रश्न करूँ' में प्रकृति-चित्रण

(2) 'एटम बम' कविता में चित्रित समस्या

अथवा

भिक्षुणी की व्यथा

(3) 'बौनों की दुनिया' शीर्षक की सार्थकता

अथवा

'सन्नाटा' कविता का भावार्थ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) "अपवित्र सिर्फ नारी ही,
होती है क्या जीवन में
क्या पुरुष पान कर आता
पावनता की घुट्टी में!
नारी ही शोधित होती
आई है युगों-युगों से
क्या निष्कलंक रहता नर
चाहे गुजरे खतरों से ?"

munotes.in

अथवा

"विस्तृत विचार चिंतन से
ही यह निष्कर्ष मिला है
उनका कलंक मिट जाए
यदि पतिव्रता सीता है।......
भेजे थे दूत उन्होंने
वे अभी गए हैं मिलकर;
मैंने सहमति दे दी है
तुझको लाने की तत्पर!
सारे जनपद गुरुजनों को
आमन्त्रित आज किया है;
वे भी आश्वासन पा लें
अकलंक, पवित्र सिया है।"

(ख) "जहाँ तक मेरी अपनी बात है
तनिक भी पीर नहीं
दुख नहीं, दुविधा नहीं
सरलतापूर्वक निकले थे प्राण
सह नहीं सकी आँत जब पेचिश का हमला......
सुनकर दहाड। स्वाधीन भारतीय प्राइमरी स्कूल के
भुखमरे स्वाभिमानी, सुशिक्षित प्रेत की
रह गए निरुत्तर। महामहिम नरकेश्वर ??"

अथवा

पाषाणी में किया प्राण-संचार-
कौन देव, तुम मेरे हृदयधार ?
असुर क्रुर, तो सुर होते हैं धूर्त्त;
क्षणमति होते किन्नर और गंधर्व,
दर्विदग्ध संशयी, हृदय से हीन
होता मानव, तुम हो उससे भिन्न।

munotes.in

(ग) “हम सब बौने हैं
मन से, मस्तिष्क से भी
भावना से, चेतना से भी
बुद्धि से, विवेक से भी
क्योंकि हम जन हैं
साधारण है
नहीं है विशिष्ट।”

अथवा

“रानी बोली पागल को जरा बुला दो
मैं पागल हूँ, राजा, तुम मुझे भुला दो
मैं बहुत दिनों से जाग रही हूँ राजा!
बंसी बजवाकर मुझको जरा सुला दो।
वह राजा था हाँ कोई खेल नहीं था.........
.........इस बड़े किले में कोई जेल नहीं थी।”

munotes.in

Total No. of Questions—**8**]   [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[5502]-412

M.A. (Fourth Sem.) EXAMINATION, 2019

HINDI (हिंदी)

विशेष स्तर : प्रश्नपत्र 14

(हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे   **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

(*ii*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

munotes.in

1. मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाओं का सामान्य परिचय देते हुए उनमें से किसी **एक** भाषा की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

2. आधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं का वर्गीकरण स्पष्ट कीजिए।

3. हिंदी की बोलियों का वर्गीकरण करते हुए ब्रज की विशेषताएँ लिखिए।

4. 'हिंदी का शब्द-भंडार अत्यंत समृद्ध है।'' इस कथन को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

5. हिंदी के व्याकरणिक स्वरूप बताते हुए उसके विकास को स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

6. नागरी लिपि का उद्भव और विकास स्पष्ट करते हुए उसकी वैज्ञानिकता पर प्रकाश डालिए।

7. देवनागरी लिपि की विशेषताएँ सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) मशीनी-अनुवाद

(ख) समास

(ग) राष्ट्रभाषा

(घ) संचार भाषा।

munotes.in

Total No. of Questions—**7**]   [Total No. of Printed Pages—**2**

Seat No.	

[5502]-413

M.A. (IV Semester) EXAMINATION, 2019

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-15 : विशेषस्तर

(हिंदी साहित्य का इतिहास)

(आधुनिक काल)

(2008 PATTERN)

समय : 3 घंटे   **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :— (*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) प्रश्न क्र. 6 तथा 7 अनिवार्य हैं।

(*iii*) प्रश्न क्र. 1 से 5 तक के प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(*iv*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

munotes.in

1. द्विवेदीयुगीन हिंदी साहित्य की सामान्य विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

2. हिंदी कहानी साहित्य के विकासक्रम को स्पष्ट करते हुए कहानीकार प्रेमचंद के योगदान पर प्रकाश डालिए।

3. हिंदी निबंध साहित्य के उद्‌भव और विकास का परिचय दीजिए।

4. प्रयोगवादी काव्यधारा के उद्‌भव को स्पष्ट करते हुए कवि अज्ञेय के योगदान पर प्रकाश डालिए।

5. छायावादी काव्य की प्रवृत्तियों को स्पष्ट करते हुए प्रसाद के योगदान पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(*i*) उपन्यासकार जैनेंद्र कुमार

(*ii*) नाटककार जयशंकर प्रसाद

(*iii*) आलोचक रामचंद्र शुक्ल

(*iv*) राष्ट्रकवि माखनलाल चतुर्वेदी

(*v*) कवि नरेश मेहता

(*vi*) साठोत्तरी कविता की प्रमुख विशेषताएँ।

7. (अ) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

(*i*) भारतेंदुयुगीन गद्य साहित्य की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

(*ii*) प्रेमचंदयुगीन उपन्यास-साहित्य की **दो** प्रमुख विशेषताओं का परिचय दीजिए।

(*iii*) उपन्यासकार यशपाल।

(*iv*) प्रगतिवाद की सीमाएँ।

(*v*) कवि नरेश मेहता।

(*vi*) समकालीन कविता की प्रमुख विशेषताएँ।

(आ) निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **एक-एक** वाक्य में लिखिए :

(*i*) 'कामायनी' किसकी रचना है ?

(*ii*) इंशा अल्ला खाँ की कहानी का नाम लिखिए।

(*iii*) फोर्ट विलियम कॉलेज किस दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है ?

(*iv*) 'तारसप्तक' के **दो** कवियों के नाम लिखिए।

munotes.in

Total No. of Questions—**8+8+8**] [Total No. of Printed Pages—**4**

Seat No.	

[5502]-414

M.A. (Fourth Semester) EXAMINATION, 2019

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-16 : विशेषस्तर-वैकल्पिक

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

महत्वपूर्ण सूचनाएँ : निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी एक ही पाठ्यक्रम के उत्तर लिखिए।

(क) भारतीय साहित्य

सूचनाएँ :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. ''भारतीयता केवल देशीय और भौगोलिक अवधारणा न होकर वह एक अध्यात्मिक, सांस्कृतिक मूल्य चेतना है।'' स्पष्ट कीजिए।

2. वर्तमान भारतीय साहित्य की विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

3. ''भक्तियुर्गान हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्य सुरक्षित है।'' स्पष्ट कीजिए।

4. 'हयवदन' नाटक भारतीयता को व्यक्त करता है। स्पष्ट कीजिए।

5. 'अधूरे मनुष्य' में व्यक्त प्रोदशिकता भारतीयता की पहचान किस प्रकार कराती है ?

6. '1084वें की माँ' उपन्यास में चित्रित समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

7. ''तमाम अंतर्विरोध के बावजूद भारत की सभी भाषाओं के साहित्य में राष्ट्रीय बोध मिलता है।'' स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

munotes.in

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) युगसंधि की गीता

(ख) 'हयवदन' नाटक में संवाद

(ग) '1084वें की माँ' उपन्यास में चित्रित नक्सलवाद

(घ) भारतीय साहित्य में व्यक्त आधुनिकता.

munotes.in

(ख) लोक साहित्य

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. लोक साहित्य की परिभाषाएँ देकर उसके स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

2. लोक साहित्य का मानव विज्ञान, समाज विज्ञान और भूगोल के साथ संबंध स्पष्ट कीजिए।

3. लोक साहित्य का आर्थिक, नैतिक, धार्मिक दृष्टि से महत्त्व प्रतिपादित कीजिए।

4. लोक साहित्य संकलन का उद्देश्य स्पष्ट करके संकलन की पद्धतियाँ विशद कीजिए।

5. ''लोकगीत हमारी आस्था और विश्वास का प्रतीक है।'' इस कथन के आलोक में लोकगीत की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

6. लोकनाट्य का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

7. लोककथा की अवधारणा स्पष्ट करके उसका वर्गीकरण कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

   (क) लोक साहित्य में सूक्तियाँ और चुटकुले

   (ख) लोकगीत के प्रेरणा स्रोत

   (ग) लोक साहित्य और समाज विज्ञान

   (घ) लोक साहित्य की विशेषताएँ।

munotes.in

[5502]-414

(ग) हिंदी पत्रकारिता

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. हिंदी पत्रकारिता के उद्‌भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

2. समाचार संकलन तथा लेखन के मुख्य आयामों पर प्रकाश डालिए।

3. संवाददाता की कार्य पद्‌धति पर प्रकाश डालिए।

4. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता के विविध आयामों पर प्रकाश डालिए।

5. रिपोर्ताज लेखन का स्वरूप स्पष्ट करके उसके तत्वों पर प्रकाश डालिए।

6. पत्रकारिता के प्रबंधन, बिक्री तथा वितरण व्यवस्था का महत्त्व रेखांकित कीजिए।

7. प्रिंट पत्रकारिता का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :
   (क) साक्षात्कार की प्रविधि
   (ख) इंटरनेट पत्रकारिता
   (ग) लेआउट तथा पृष्ठ-सज्जा
   (घ) सूचनाधिकार एवं मानवाधिकार।

munotes.in